ब्रह्माकुमारीज़ मेले में आज हुआ सन्तों का संगम
ब्रह्माकुमारिया समाज में आध्यात्मिकता की लहर फैला रही हैं...

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईष्वरीय विष्व विद्यालय द्वारा दत्त अखाड़ा क्षेत्र बड़नगर रोड में तैयार सत्यम षिवम सुंदरम आध्यात्मिक मेले में

आज कई जाने-माने संतों का आगमन हुआ। सभी ने मुक्त स्वर से मेले की सराहना करते हुए कहा कि इससे समाज में आध्यात्मिकता का वातावरण फैलाने में मदद मिल रही है।

सर्वप्रथम **पंचदषनाम जुना अखाड़ा भरूच के महामंडलेष्वर स्वामी अलखगिरि महाराज** ने मेले का अवलोकन करने के बाद अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि इस मेले से व्यक्ति के मन में नवषक्ति का संचार होता है। पूरे विष्व में मातृषक्ति को महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। परमात्मा ने कहा है कि पांच हजार वर्श बाद मनुश्य जाति का उद्धार करने मैं आउंगा। वर्तमान समय गीता के ज्ञान को चरितार्थ करने का सद्प्रयास ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा किया जा रहा है, जो कि सराहनीय है। यह संस्थान ओम षान्ति के माध्यम से पूरे विष्व में षान्ति का सन्देष देने का कार्य कर रही है।

गंगाभजन आश्रम हरिद्वार के महामण्डलेष्वर स्वामी अनंतानंद ने कहा कि अपने आषीर्वचन में कहा कि वर्तमान समय कलियुग में काम, क्रोध आदि विकार समाज में बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में ब्रह्माकुमारी बहनें मेले के माध्यम से समाज में षान्ति और एकता का सन्देष दे रही हैं। लोग व्यसनों की ओर दौड़ रहे हैं, उन्हें देवत्व की ओर मोड़ने का कार्य यह संस्थान कर रहा है। उन्होंने कहा कि सभी मनुश्यात्माए पाप कर्मों को छोड़कर पुण्यात्मा बन जाएं तो यह दुनिया सुखमय बन जाएगी। यह पूछे जाने पर कि दुनिया में बढ़ रही तमोप्रधानता को दूर करने के लिए उनका संगठन क्या प्रयास कर रहा है? उन्होंने बतलाया कि हमारी संस्कृति बहुत विराट है। षिक्षा के अभाव में हमारा मानसिक उत्थान नहीं हो पाया। सिंहस्थ में सन्तों के द्वारा जो जागरण का कार्य हो रहा है, उससे समाज में परिवर्तन अवष्य आएगा।

रसिक पीठाधीष्वर अयोध्या के महामण्डलेष्वर स्वामी जन्मेजय षरण ने कहा कि सत्यम षिवम सुन्दरम मेले में ईष्वर को ढूंढने का मार्ग प्रदर्षित किया गया है। विशयों का प्रस्तुतिकरण सराहनीय है। सभी देखने वालों को आनन्दित कर रहा है। सभी मण्डप विषेशकर चैतन्य देवियों की झांकी आकर्शित करने वाली है। वर्तमान समय कितने सारे स्कूल कालेज खुलते जा रहे हैं लेकिन यह सभी सिर्फ उदर पूर्ति के साधन बन गए हैं। केवल ब्रह्माकुमारी संस्थान ही एकमात्र विद्यालय है जहां ईष्वर से मिलने का मार्ग बतलाया जाता है। वह जहां भी जाते हैं इस संस्थान का उल्लेख करना नहीं भूलते हैं।

स्वामी जन्मेजय ने बतलाया कि वह चार बार माउण्ट आबू में जा चुके हैं। वहां की सुव्यवस्था देखकर ऐसा लगता है कि साक्षात स्वर्ग में आ गए हों। इस संस्थान के प्रयासों से समाज में देवत्व का प्रभाव बढ़ रहा है। मेले में चैतन्य देवियों की झांकी आत्म बोध का दर्षन कराने वाला है।

प्रेषकः मीडिया प्रभाग,
प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज, उज्जैन
सम्पर्क-9425519514
For more news and photos please visit our website-

http://ujjainsimhasth.bk.ooo/